कुन्ड-रेवाड़ी(हरियाणा)। स्कूल में बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा व ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् स्कूल स्टाफ को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पूनम, ब्र.कु. शालू, ब्र.कु. दयानंद तथा ब्र.कु. महेन्द्र।

भरतपुर-राज.। राजस्थान किसान सशक्तिकरण अभियान कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए पर्यटन कला एवं संस्कृति राज्यमंत्री कृष्णेन्द्र कौर दीपा, जिला कलेक्टर डॉ. एन. के. गुप्ता, कृषि विश्वविद्यालय के डीन डॉ. अमर सिंह, ओ.पी. जैन,ए.डी.एम., गणेश मीणा,संयुक्त निदेशक,आत्म परियोजना, ब्र.कु. सरोज दीदी, ब्र.कु. कविता तथा अन्य।

जयपुर-राजापार्क। किसान सशक्तिकरण अभियान के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए कृषि राज्यमंत्री प्रभुलाल सैनी, दयाल सिंह चौधरी, डायरेक्टर,आत्म योजना, ग्राम विकास प्रभाग की चेयरमैन ब्र.कु.सरला दीदी, कैलाश चौधरी,भाजपा किसान मोर्चा तथा सब ज़ोन इंचार्ज ब्र.कु.पूनम दीदी।

दुर्योधन द्वारा रचित चक्रव्यूह...

- ब्र.कु. शिव स्वरूप सिंह,अमरोहा,उ.प्र.

आज जब हम अपनों से मिलते हैं तो सबसे पहले कुशलक्षेम पूछते हैं, क्यों, क्योंकि आज सारा संसार ही दु:खी है। कारण आज मनुष्य का सम्बंध सुख के स्रोत सुखदाता परमपिता परमात्मा से टूट चुका है, तथा वह इस भौतिकवादी युग में तमोप्रधान इच्छाओं से युक्त येन केन प्रकारेण धन कमाने की होड़ में लगा हुआ है। वह इस भौतिकवादी तमो प्रधान युग की चकाचौंध में अन्धा हो गया है। तमोप्रधान दुनिया में तमोप्रधान इच्छायें इतनी प्रबल हो गयी हैं कि उनकी पूर्ति हेतु मानव अनिश्चित ठिकाने पर भागा ही जा रहा है।

अत: हमारी झंझटों का मूल कारण हमारी तमोप्रधान इच्छाएं ही हैं। निकृष्ट भोग का ही नाम काम विकार है। इच्छा पूर्ति न होने से क्रोध की उत्पत्ति होती है। इच्छाओं के बाहुल्य का वेग लोभ विकार है। किसी प्रिय वस्तु या व्यक्ति पर अधिकार बनाये रखना मोह विकार है। मानशान की इच्छा की अभिव्यक्ति बने रहना अंहकार है। किसी दूसरे की उन्नति, प्रशंसा या प्रतिभा को देखकर वैसी या उससे अधिक प्राप्ति की इच्छा ईर्ष्या द्वेष कहलाती है। इस प्रकार इच्छाओं में बंधा हुआ मनुष्य एक विकार से दूसरे विकार के जाल में मकड़ी की तरह फँसा रहता है। वह अपनी उन्नति नहीं कर पाता, बल्कि एक इच्छा से दूसरी, तीसरी इच्छा में उसका स्थानान्तरण होता रहता है। वह इन इच्छाओं के चक्रव्यूह में एक बार घुस तो जाता है, परन्तु वीर अभिमन्यु (देह अभिमान) की तरह इस दुर्योधन के चक्रव्यूह से बाहर निकलना नहीं जानता। श्रीमद्भगवद्गीता में बताया गया है कि – अर्जुन ही इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने का रास्ता जानता था।

अत: इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने के लिए एक विद्या विशेष, आध्यात्मिक शिक्षा जो स्वयं परमपिता परमात्मा ज्ञान सागर शिव बाबा इस धरा पर अवतरित हो ज्ञान अर्जन करा रहे हैं के द्वारा ही निवृत्ति मिल सकती

है। इस विद्या का अर्जन करने वाले ही अर्जुन हैं। और ये अर्जुन ही विकारों रूपी चक्रव्यूह की दीवारों को तोड़ देते हैं। मनुष्य जब परमपिता परमात्मा की आध्यात्मिक शिक्षा ग्रहण करता है तो सबसे पहले वह पवित्रता को अपनाता है। वह ब्रह्मचर्यव्रत को धारण करके पतन के गर्त में ले जाने वाली, नर्क के द्वार में धकेलने वाली काम विकार की दीवार को तोड़ देता है। अब वह स्वयं को आत्मा समझने लगता है तथा आत्मिक सुख की प्राप्ति से वह देहभान की दीवार को भी तोड़ देता है, जिससे देहभान से उत्पन्न मोह की दीवार भी टूट जाती है। अब परमपिता परमात्मा में मन लगने से जो आनंद प्राप्त होता है, उससे उसे संतोष प्राप्त होता है तो लोभ व स्वार्थ रूपी दीवार भी टूट जाती है। अब परमात्म याद में इच्छायें मन्द पड़ जाती हैं तो क्रोध रूपी दीवार भी कमज़ोर हो जाती है। मन प्रभु प्रशंसा में लग जाने से अपने मानशान अहंकार रूपी दीवार को भी गिरा देता है। इस प्रकार जीवन में व्यापक परिवर्तन होता है, अर्थात मानव इस चक्रव्यूह से बाहर हो जाता है।

अत: जो मनुष्य आध्यात्मिक शिक्षा अर्जन कर अर्जुन बन जाते हैं उनकी पहचान या निशानी यह है कि उसे इच्छा तो होगी ही, परन्तु आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा मन बुद्धि संस्कार की शुद्धि होने से इच्छाओं की भी शुद्धि हो जाती है। जैसे-जैसे आत्मा की अन्तर्निहित शक्तियों का उदय होता है और वह परमात्मा से युक्त होने के फलस्वरूप अपनी सर्वोच्च स्थिति की ओर बढ़ती है, वैसे-वैसे उसकी इच्छाएँ कम व शुद्ध होती जाती हैं। वे स्वार्थ परक न होकर जन कल्याण, परोपकार, परहित हो जाती हैं और वह मनुष्य आत्म उन्नति को पा लेता है। अत: हमारी शुभ इच्छा है कि हर मानव अर्जुन बन आध्यात्मिक ज्ञान का अर्जन करे और इन विकारों की दीवार तोड़ चक्रव्यूह से बाहर निकल आये।

लखनऊ-गोमती नगर(उ.प्र.)। सिटी मोनटेसरी स्कूल में 'थ्री डी हेल्थ केयर फॉर हेल्दी माइंड, हार्ट एंड बॉडी' विषयक कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए मुख्य अतिथि स्वास्थ्य राज्यमंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, हृदय रोग विशेषज्ञ ब्र.कु. डॉ. सतीश गुप्ता,माउण्ट आबू तथा अन्य।

कुशीनगर-उ.प्र.। ब्र.कु. मीरा को उनके समाज के प्रति उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित करते हुए बी.जे.पी. के क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिव कुमार पाठक।

दिल्ली-पीतमपुरा। मुलाकात के दौरान एम.सी.डी. के ज्वाइंट एसेसर एवं कलेक्टर एच.के. हेम को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. सुनीता व ब्र.कु. कनिका।

शिकोहाबाद-उ.प्र.। ज्ञानचर्चा के पश्चात् चित्र में फिरोजाबाद की डी.एम. नेहा शर्मा, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पूनम, ब्र.कु. पूनम, ब्र.कु. राजपाल, ब्र.कु. अश्विनी तथा ब्र.कु. उमेश।

दिल्ली-ईस्ट पटेल नगर। आध्यात्मिक झाँकी के उद्घाटन पश्चात् चित्र में इंडिया दर्पण न्यूज़ के चीफ एडीटर ललित सुमन, दिल्ली मार्बल मार्किट एसोसिएशन के प्रेज़ीडेन्ट वी.सुभाष, ब्र.कु. राजश्री, सिंडीकेट बैंक के जी.एम. वी.अशोकन, ज्योतिषी पंडित शास्त्री सुरेश पाण्डेय, दिलदार बेग तथा अन्य।

जालन्धर-ग्रीन पार्क। सेवाकेन्द्र में आने पर ज्ञानचर्चा के पश्चात् चित्र में डी.जी.एम.ओ. रणवीर सिंह, कर्नल मनमोहन सिंह, ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. मीरा व अन्य।

बोकारो-झारखण्ड। चैतन्य देवियों की झाँकी का उद्घाटन करते हुए स्टील प्लांट के सी.ई.ओ. पी.के. सिंह तथा उनकी धर्मपत्नी सितारा सिंह, ब्र.कु. कुसुम, ब्र.कु. सुमन तथा अन्य।

जयपुर-सोडाला(राज.)। हैल्पिंग हैंड फाउंडेशन द्वारा आयोजित ईद मिलन समारोह में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. स्नेह। साथ हैं महासचिव नई मरब्बानी, जमात-ए-इस्लामी हिंद के मोहम्मद इकबाल सिद्दीकी, चेयरमैन वकार अहमद, सवाई सिंह तथा अन्य।

जालोर-राज.। कृषि विस्तार केन्द्र केशवना में आयोजित किसान सशक्तिकरण अभियान के कार्यक्रम में उपस्थित हैं ब्र.कु.रंजू, ब्र.कु. शशीकांत,माउण्ट आबू, ब्र.कु. सुमन्त,माउण्ट आबू। कृषि विज्ञान केन्द्र के सहायक निदेशक मनोहर जी व अन्य।